Department of Hindi
Course Outcomes (COs)

Class	Course	*After completion of these courses students will be able to;*
B.A. I	**Sem-I and Paper-I and Sem-II and Paper-II Hindi Optional**	1. हिंदी कविता का परिचय प्राप्त हुआ। 2 .हिंदी कवियों का परिचय प्राप्त हुआ। 3. हिंदी कविता के विविध विषय, भाव, भाषा तथा शैली का ज्ञान प्राप्त हुआ। 4. हिंदी साहित्य की विविध विधाओं का परिचय प्राप्त हुआ। 5. हिंदी लेखकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हुए। 6. हिंदी उपन्यास विधा से परिचित हुए। 7. उपन्यास के पात्रों का चरित्र–चित्रण करने की क्षमता प्राप्त हो गई। 8. उपन्यास में चित्रित प्रासंगिकता से अवगत हो गए। 9. उपन्यास में चित्रित सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक परिस्थिति से परिचित हो गए। 10. उपन्यास के अध्ययन से मानव मूल्यों का बोध हुआ।

Department of Hindi
Course Outcomes (COs)

Class	Course	*After completion of these courses students will be able to;*
B.A. II	**Sem-III &IV and Paper-III&V** **Hindi Optional** **आधुनिक गदय**	1. बड़प्पन की विषेषताओं को समझकर अपने जीवन में उनका अनुकरण करने की प्रेरणा मिली। 2. पारिवारिक जीवन को बनाए रखने के लिए आवष्यक गुणों का परिचय हुआ। 3. पुरुष प्रधान मानसिकता और नारी की बेबसी ध्यान में आयी। 4. गलतफहमी के कारण उद्‌भुत स्थिति, प्रष्नों को समझकर गलतफहमी से बचने की प्रेरणा मिली। 5. नाटक के तात्त्विक विवेचन का परिचय हुआ। 6. दांपत्य जीवन एवं उसकी आवष्यकताओं से परिचय हुआ। 7. प्रजातांत्रिक व्यवस्था की वास्तविकता का बोध हुआ। 8. नारी के आर्थिक स्वावलंबन का महत्त्व समझ में आया।
B.A. II	**Sem-III &IV and Paper-IV&VI** **Hindi Optional** **मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य**	1. निर्गुण संत कवि कबीर की विचारधारा का परिचय हुआ। 2. तुलसी की भक्ति भावना समझ में आयी। 3. सूरदास कृत कृष्ण की बाल लिलाओं का वर्णन समझ में आया। 4. संतो ंके नीति संबंधी विचारों का बोध हुआ। 5. जीवन में अहिंसा, षांति और दया भाव का महत्त्व समझ में आया। 6. अतिथियों का सम्मान करनेवाली तथा नम्रतापूर्ण व्यवहार करनेवाली भारतीय संस्कृति का परिचय हुआ। 7. कविताओं में चित्रित प्रतीकात्मकता का बोध हुआ।

Department of Hindi
Course Outcomes (COs)

Class	Course	*After completion of these courses students will be able to;*
B.A. III	**Sem-V &VI and Paper-VII&XII Hindi Special विधा विषेष का अध्ययन**	1. आतंकवादी तथा सांप्रदायिक समस्याओं की गहराई से परिचय हुआ। 2. इन्सानियत और मानवता का रिष्ता विष्व स्तर तक विस्तारित होने की प्रेरणा मिली। 3.दलितों की समस्याओं का परिचय हुआ। 4. नारी की पीड़ा तथा त्रासदी का बोध हुआ। 5. नारी आत्मकथा के सैद्धांतिक स्वरूप का परिचय हुआ। 6. कौसल्या बैसंत्री के दलित कथाकार, अनुवादक, लेखिका तथा आंदोलक समाजसेविका आदि का परिचय हुआ। 7. दलितों की जाति–उपजाती और रीति रिवाजों का परिचय हुआ।
B.A. III	**Sem-V &VI and Paper-VIII&XIII Hindi Special साहित्यषास्त्र**	1. भारतीय तथा पाष्चात्य समीक्षा सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त हुआ। 2. हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियों का परिचय हुआ। 3. साहित्य की मर्मग्राहिणी क्षमता विकसित हुई। 4. काव्य के विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त हुआ। 5. साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित हुई। 6. साहित्य के प्रयोजनों का ज्ञान अवगत हुआ। 7. काव्य प्रेरणा का स्वरूप मालूम हुआ।

B.A. III	**Sem-V &VI and Paper-IX&XIV Hindi Special हिंदी साहित्य का इतिहास**	1. हिंदी साहित्य के काल विभाजन का परिचय हुआ। 2. हिंदी साहित्य के इतिहास की कालजयी रचना तथा रचनाकारों का परिचय हुआ। 3. हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का ज्ञान हुआ। 4. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरूप विकास का बोध हुआ। 5. हिंदी साहित्य के आधार पर तत्कालीन परिस्थिती का परिचय हुआ। 6. हिंदी साहित्य के विविध कालों में रचित वीर काव्य, भक्ति काव्य, श्रृंगार काव्य, नीति काव्य, रीति काव्य तथा आधुनिक काव्य का परिचय हुआ। 7. गद्य साहित्य के विविध विधाओं का जन्म तथा विकास अवगत हुआ।
B.A. III	**Sem-V &VI and Paper-X&XV Hindi Special प्रयोजनमूलक हिंदी**	1. राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी का विकास अवगत हुआ। 2. हिंदी पत्राचार संबंधी क्षमता विकसित हुई। 3. आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्र परिचित हुए। 4. अनुवाद के स्वरूप का परिचय हुआ। 5. अनुवाद के जरिए प्राप्त रोजगारों का ज्ञान हुआ। 6. आधुनिक जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में संप्रेषण की आवष्यकता महसूस हुई। 7. विविध संदर्भ स्रोतों का परिचय हुआ। 8. वृतांत लेखन का ज्ञान प्राप्त हुआ। 9.संगणक की कार्यप्रणाली का परिचय हुआ।

B.A. III	**Sem-V &VI and Paper-XI&XVI Hindi Special भाषाविज्ञान**	1. भाषा के विविध रूपों का परिचय हुआ। 2. भाषा षुद्धता को लेकर जागृति निर्माण हुई। 3. हिंदी भाषा के उद्भव और विकास का परिचय हुआ। 4. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता समझ में आयी। 5. लिपि विकास का परिचय हुआ। 7. भाषा उत्पत्ति संबंधी विविध सिद्धांतों का परिचय हुआ। 8. भाषा विज्ञान का स्वरूप मालूम हुआ। 9. भाषा विज्ञान के विविध अंगों का परिचय हुआ। 10. व्याकरण का सामान्य परिचय हुआ।

Prof. Dr. N. D. Patil Mahavidyalay ★ Malkapur ★

PRINCIPAL
Prof. Dr. N. D. Patil Mahavidyalaya
Malkapur, Dist. Kolhapur